सहकारिता के माध्यम से चंडीगढ़ में 24-25 अप्रैल को ग्रामीण अर्थव्यवस्था में बदलाव पर राष्ट्रीय सम्मेलन किया जाएगा आयोजित

केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर और हरियाणा के सहकारिता मंत्री अरविंद कुमार शर्मा इस कार्यक्रम में होंगे शामिल

चंडीगढ़, 23 अप्रैल, 2025

क्षेत्रीय सहकारी प्रबंधन संस्थान (आरआईसीएम), चंडीगढ में 24 और 25 अप्रैल, 2025 को "एक विकसित भारत का निर्माण: सहकारिता, किसान सशक्तिकरण और विकास के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्थाओं में परिवर्तन" विषय पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। दो दिवसीय सम्मेलन का उद्देश्य सतत ग्रामीण विकास को बढ़ावा देने, किसानों को सशक्त बनाने और ग्रामीण अर्थव्यवस्थाओं को लचीले और संपन्न पारिस्थितिकी तंत्र में बदलने में सहकारी समितियों की महत्वपूर्ण भूमिका का पता लगाना है। सम्मेलन में शिक्षाविदों, नीति निर्माताओं, सहकारी नेताओं, शोधकर्ताओं, चिकित्सकों और उद्योग विशेषज्ञों को एक साथ लाया जाएगा, ताकि वे नवीन रणनीतियों पर चर्चा कर सकें, सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा कर सकें और सहयोग के अवसरों की पहचान कर सकें।

केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री श्री कृष्ण पाल गुर्जर, हरियाणा के सहकारिता मंत्री श्री अरविंद कुमार शर्मा, भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय के सचिव श्री आशीष के. भूटानी और भारत सरकार तथा पंजाब , हरियाणा और हिमाचल प्रदेश के अन्य अधिकारी भी इस सम्मेलन में भाग लेंगे।

केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री और हरियाणा के सहकारिता मंत्री सम्मेलन के उद्घाटन दिवस पर एक ऑनलाइन पोर्टल "मेरी समिति मेरा पटल" का भी शुभारंभ करेंगे।

सम्मेलन ने आईसीए वैश्विक सहकारी सम्मेलन 2024 और संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के शुभारंभ से प्रेरणा ली है और भारत के सहकारी आंदोलन को मजबूत करने के लिए वैश्विक अंतर्दृष्टि का उपयोग करने का प्रयास किया है।

वर्ष 2047 तक भारत के विकसित देश बनने के दृष्टिकोण के अनुरूप, यह सम्मेलन ग्रामीण समृद्धि में सहकारिता की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देता है। विकसित देश बनने के दृष्टिकोण के अनुरूप, यह सम्मेलन ग्रामीण समृद्धि में सहकारिता की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देता है। सम्मेलन में पाँच मुख्य विषयों पर चर्चा की जाएगी:

• विकसित भारत का निर्माण: सहकारिता और सतत ग्रामीण विकास

• किसान सशक्तीकरण और सतत विकास के उत्प्रेरक के रूप में सहकारिता

• ग्रामीण भारत को सशक्त बनाने के लिए व्यवसाय और आर्थिक रणनीतियाँ

• किसानों की समृद्धि और ग्रामीण व्यवसाय विकास के लिए रणनीतिक मार्ग

• ग्रामीण परिवर्तन के माध्यम से सतत विकास लक्ष्य प्राप्त करना: व्यवसाय और नीतिगत दृष्टिकोण

***

पीआईबी चंडीगढ़ | दीप / शीनम / अमनदीप